CGM-NABARD visits the WADI Project at Godda

Gramin Vikas Trust is implementing WADI Project in 24 villages of Sunderpahari block of Godda district in Jharkhand under Tribal Development Fund support of NABARD, Jharkhand. The project is being implemented for 1000 tribal families since last 3 years. The project was visited by Chief General Manager of NABARD Jharkhand Sri S Sarvanavel and other officials in Tilabad and Sundermore villages. All the villagers welcomed CGM with traditional Dobo Johar. Dr. B K Prasad, RPM Jharkhand gave the details about the ongoing projects of GVT with NABARD funding support and convergence of other schemes under WADI. CGM along with Sri Darsan Deore (AM) and Sri Mrinal Ranjan (DDM) visited some WADI plots and had a discussion with farmers in particular regarding the irrigation facilities and plant mortality. He insisted on better soil and water conservation measures. In Sunderpahari he also handed over a cheque of Rs. 1.00 lakh for participating in WADI Samiti of Sundermore. He also distributed some agricultural equipments and water filters to farmers. Some of the PRI members and local leaders shared their experiences and benefits of NABARD supported WADI project with special reference to migration and livelihood support.

गोड्डा जागरण

दैनिक जागरण | 5

www.jagran.com

भागलपुर, 7 फरवरी 2013

'बच्चे की तरह करें पौधों की देखभाल'

संवाद सहयोगी, गोड्डा : राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक रांची के मुख्य महाप्रबंधक एस सरवण वेल व डॉ. वीके प्रसाद ने बुधवार को सुन्दरपहाड़ी प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में बाड़ी कार्यक्रम के तहत लगाए गए फलदार पौधों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लाभुकों के बीच स्प्रे मशीन का वितरण किया।

सुंदरमोड़ में लाभुकों को संबोधित करते हुए श्री सरवण ने कहा कि वे पौधों की देखभाल उसी तरह से करें जिस तरह से बच्चों की करते हैं। पौधे जब वृक्ष बनेंगे तो उन लोगों को आत्मनिर्भर बनने से कोई रोक नहीं पाएगा। आने वाले तीन माह में विशेष रूप से ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने लाभुकों को नेफसेक स्प्रेयर व स्वच्छ पानी पीने के लिए फिल्टर दिया। इसके अलावा खाता धारकों को पौधे की देखभाल के लिए एक लाख का चेक दिया। कृषि विज्ञान केंद्र के समन्वयक डॉ. रवि शंकर ने कहा कि यह योजना जनजाति क्षेत्रों के लिए है। जो जीवीटी के माध्यम से चलाई जा रही है। कृषि विज्ञान केंद्र इसके लिए तकनीक उपलब्ध करा रहा है। आम व अमरूद के पौधे से मिलने वाला फल से वे आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगा । राष्ट्रीय कृषि नवोन्वेषी परियोजना के तहत लाभुकों को बांस व लकड़ी के उत्पादन की जानकारी दी जा रही है। श्री श्रवण ने तिलाबाद व सुंदरमोड़ आदि स्थलों का दौरा कर बाड़ी के तहत लगाए गए वृक्षों को देखा। मौके पर डीडीएम मृणाल रंजन, वैज्ञानिक राजपाल सिंह मौजूद थे।

सामग्री वितरित करते मुख्य महाप्रबंधक। जागरण